Hindi Murli Quiz 16-09-2013

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-)

धन्यवाद

ओम शांति

Q.1) **ऋषि-मुनि आदि भी कहते कि हम रचता और रचना को नहीं जानते क्योंकि (उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

- **A.** ऋषि-मुनि शास्त्र आदि बहुत पढते हैं |
- **B.** शास्त्रों में रचयिता और रचना की नॉलेज कुछ भी नही है I
- **C.** शास्त्र हैं भक्ति मार्ग की सामग्री |
- **D.** समझाने वाला तो एक बाप ही है |

Q.2) **बच्चों को बाप आप समान बनाते हैं | दुःख हर्ता, सुख कर्ता वह बाप है | उनकी जो महिमा है वह हमारी भी हैI बाकी फ़र्क यह रहता है---) (उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

- **A.** बाप सुख का सागर, पवित्रता का सागर, शान्ति का सागर है तो हमको भी यह वर्सा देते हैं |
- **B.** बाप को ज्ञान सागर कहते हैं तो वह हम बच्चों को ज्ञान देते हैं I
- **C.** बाप जन्म-मरण में नहीं आते हैं, बच्चे जन्म-मरण में आते हैं

Q.3) **महावीर हर मुश्किल को सहज कर, पहाड़ को राई व रुई को पहाड़ बना देता है I**

- **A.** गलत
- **B.** सही

Explanation : महावीर वह है जो हर मुश्किल को सहज कर, पहाड़ को राई व रुई बना दे |

Q.4) **आज की मुरली के अनुसार बैलेंस के क्या क्या लाभ हैं (उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

- **A.** बैलेन्स के द्वारा स्वयं भी आगे बढ़ते रहेंगे और अन्य आत्माओं को भी आगे बढ़ायेंगे |
- **B.** बैलेन्स ही अनेक आत्माओं के आगे ब्लिसफुल जीवन का साक्षात्कार करायेगा I
- **C.** हर बात के बैलेन्स से सहज ही नम्बरवन बन जायेंगे I
- **D.** बैलेन्स की स्मृति से सर्व प्राप्तियों का अनुभव करते रहेंगे I
- **E.** याद और सेवा का बैलेन्स हो तो बाप की ब्लैसिंग मिलती रहेगी I

Q.5) **इन्हें मिलाएं –**

	Choice	Match
A	तुम्हारा मगज़ (दिमाग) ख़ुशी से सदा भरपूर होना चाहिए	तुम अभी बाप के समान मास्टर नॉलेजफुल बने होI
B	तुम बच्चों का 21 जन्मों के लिए मालामाल बनने का आधार है	संगम पर डायरेक्ट बाप को अपना सब कुछ हवाले कर देना I
C	आत्मा और परमात्मा को नहीं जानते	इसलिए मनुष्य दुखी हैं
D	देवताओं को यह वर्सा यहाँ से ही मिलता है,	उनको भी वहाँ यह ज्ञान नहीं रहता	
E	मनुष्य कहते हैं यह त्यौहार आदि परम्परा से चले आये हैं	सतयुग में तो यह होते ही नहीं	
F	अभी यहाँ तुम्हारी बुद्धि का ताला खुला हुआ है		तुम इस ड्रामा के क्रियेटर डायरेक्टर, मुख्य एक्टर्स, डयूरेशन आदि को जानते हो	
G	ऋषि-मुनि आदि भी कहते थे	हम रचता और रचना को नहीं जानते	

Explanation :

Q.6) **तुम अभी मूलवतन, सूक्ष्मवतन, सतयुग से लेकर कलियुग तक सब राज़ को जान गये हो | अगर अन्दर ज्ञान टपकता रहे तो ---- (उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

- **A.** पास विद ओनर्स होयेंगे I
- **B.** सदैव ख़ुशी में रहेंगे I
- **C.** कोई चिंता की बात ही नही रहेगी I
- **D.** फ़िक्र से फ़ारिग हो जायेंगे I

Q.7) **सिर्फ तुमको व देवता वर्ण को ही ड्रामा के आदि-मध्य-अन्त, रचता और रचना का ज्ञान है और किसको है नहीं |**

A. गलत

B. सही

Explanation : देवताओं को यह ज्ञान नहीं होता

Q.8) **इन्हें मिलाइये ---**

	Choice	Match
A	भक्ति मार्ग के शास्त्र आदि कितने पढ़ते हैं,	परन्तु यह तो कोई नहीं जानते कि यह सृष्टि चक्र कैसे फिरता है I
B	सतोप्रधान जब बन जायेंगे,	नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार कर्मातीत अवस्था आ जायेगी I
C	झाड़ पुराना होने से जैसे सूख जाता है,	इनको कहा जाता है कांटो का जंगल |
D	जितना पढ़ते हैं उतना नॉलेज से इनकम होती है,	यह नॉलेज भी है तो धंधा भी है |
E	बाप कहते हैं तुम मरने से पहले ही सब दे दो,	यह पुरानी चीज़ तुम्हारे काम में ही नहीं आयेगी I
F	यह ज्ञान सतयुग में नहीं होता क्योंकि आत्मायें सतोप्रधान हैं,	ज्ञान से ही आत्मायें सतोप्रधान बनती हैं I |

Explanation :

Q.9) **तुम बच्चे अभी मास्टर नॉलेजफुल बनते हो \| नटशैल में तो सब जान चुके हो \| बाकी सिर्फ आत्मा जो तमोप्रधान है उनको सतोप्रधान बनाना है \|**

A. सही

B. गलत

Q.10) **आज की मुरली के अनुसार धारणा के मुख्य बिंदु हैं -----**
(उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)

A. पुराना सब कुछ ट्रान्सफर कर देना है I

B. बुद्धि में सदा ज्ञान का सिमरण करते रहना है\|

C. चिन्ताओं से फ्री होने के लिए बाप समान नॉलेजफुल बनना है

D. रूहानी सर्विस कर अपनी प्रालब्ध बनानी है \|

E. मुरली कभी मिस नहीं करनी है I